ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

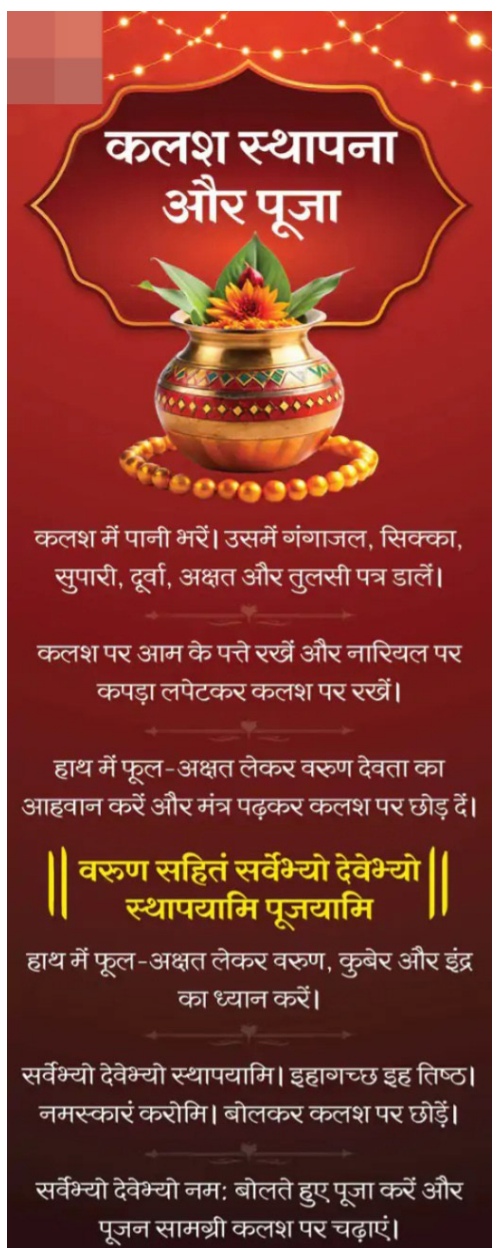
उदयपुर, बुधवार 30 अक्टूबर 2024

वर्ष 1 अंक 236

महालक्ष्मी योग में मनेगी दिवाली: 31 को पूजा के 6 मुहूर्त, जानिए लक्ष्मी पूजन की सामग्री, कुबेर और तिजोरी की पूजा विधि







24 न्यूज अपडेट

31 अक्टूबर को अमावस्या शाम 4 बजे के बाद शुरू होगी और 1 नवंबर को शाम तक रहेगी। इस कारण देश में ज्यादातर जगह 31 अक्टूबर को दीपावली मनेगी। इस दिन कई ऐसे योग भी बन रहे हैं, जो लक्ष्मी पूजन से लेकर नए कामों की शुरुआत के लिए शुभ रहेंगे। पंडितों का मानना है कि दीपावली पर शाम को समृद्धि देने वाले 4 राजयोग बनेंगे। शश, कुलदीपक, शंख और लक्ष्मी योग बनने से इस महापर्व का शुभ फल और बढ़ जाएगा।



संपादकीय : इरादे धुआं धुआं

जलवायु परिवर्तन का प्रकोप पूरी दुनिया को अपने पंजे में कस रहा है। हर कोई वैश्विक उत्सर्जन पर लगाम लगाने की जरूरत रेखांकित करता देखा जाता है। हर वर्ष होने वाले जलवायु सम्मेलन में जैव ईंधन की खपत कम करने, कार्बन उत्सर्जन पर कठोरता से काबू पाने के इरादे जताए जाते हैं। संकल्प लिया गया कि 2030 तक वैश्विक तापमान में वृद्धि को डेढ़ फीसद तक सीमित कर लिया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हर वर्ष तापमान में कुछ वृद्धि दर्ज होती है मौसम का मिजाज बिगड़ चुका है। कहीं अतिवृष्टि से लोग परेशान हैं, तो कहीं अनावृष्टि से बहुत सारे पहाड़ों पर बर्फ गिरनी कम हो गई है। वहां की झीलों का तल चिंताजनक स्तर तक घट गया है। नदियां सूख रही हैं, कृषि उत्पादन पर इसका नकारात्मक प्रभाव चिंता पैदा करता है। फिर भी कहीं कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कटौती नजर नहीं आती। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु का आकलन करने वाली संस्था ने अपने ताजा अध्ययन में कहा है कि कार्बन उत्सर्जन रोकने के मामले में अगर यही गति बनी रही, तो वैश्विक उत्सर्जन 2030 से पहले ही अपने चरम पर पहुंच जाएगा। इस संस्था का कहना है कि 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में 2019 के मुकाबले महज 2.6 फीसद की कमी आ सकेगी। अगर वैश्विक तपिश को डेढ़ फीसद पर सीमित रखना है तो 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में तैंतालीस फीसद और 2035 तक साठ फीसद की कमी लानी होगी। दुनिया के लगभग सभी देशों ने पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उसमें जैव ईंधन के उपयोग में कटौती करने, हरित ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने, अक्षय ऊर्जा स्रोतों का विकास करने का संकल्प लिया गया था। उसके बाद से हर वर्ष जलवायु सम्मेलन में इकट्ठा होकर सारे देश नई चुनौतियों से पार पाने के लिए मंथन करते और नए समझौतों पर हस्ताक्षर करते हैं। अब बड़ी चिंता यह है कि अगर बढ़ते वैश्विक ताप पर काबू नहीं पाया गया, तो बहुत सारी वनस्पतियां, जीव प्रजातियां समाप्त हो जाएंगी, पहाड़ उजड़ जाएंगे, प्राकृतिक जल स्रोत सूख जाएंगे। बढ़ती गर्मी और जलवायु में असंतुलन के कारण अनेक नई बीमारियां पैदा होंगी, महामारियों की आशंका बढ़ती जाएगी। मगर विकास की दौड़ में शामिल देश औद्योगिक उत्पादन पर किसी भी रूप में लगाम लगाने को तैयार नहीं हैं खनिजों की निकासी पर जोर दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में जिन देशों से सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने की उम्मीद की जाती थी, वे कोई न कोई गली निकाल कर इस जिम्मेदारी से बचते देखे जाते हैं। अमेरिका तो पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के कई वर्ष बाद तक इस जिम्मेदारी से बचता रहा। दरअसल, दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देशों ने विकास का जो माडल अपना रखा है, उसमें कार्बन उत्सर्जन पर काबू पाना कठिन होता गया है। कोई भी देश अपने औद्योगिक विस्तार को रोकना नहीं चाहता। सारी दुनिया में आर्थिक विकास दर बढ़ाने पर जोर है। हालांकि अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ा है, पेट्रोल, डीजल, कोयला आदि की जगह विद्युत चालित वाहनों, उपकरणों का चलन बढ़ रहा है। मगर पर्यावरण को नुकसान केवल जैव ईंधन से नहीं, अतार्किक खनन, उत्पादन की होड़, इलेक्ट्रानिक कचरे के बढ़ते बोझ आदि की वजह से भी है। जब तक विकास का संतुलित तार्किक और कुदरत से तालमेल बिठाने वाला माडल नहीं अपनाया जाता, वैश्विक उत्सर्जन रोकने के इरादे हुआ आ होते रहेंगे।

सियासत की भाषा

महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में लोकतंत्र बचाने के दावे के साथ जारी चुनावी जंग में दोनों पक्षों की भाषा ऐसे स्तर पर उतर गई लगती है, जिसमें खुद को श्रेष्ठ और दूसरे को हीन बताने के लिए कई बार आपत्तिजनक शब्दों का भी सहारा लिया जाने लगा है। यह किसी तीसरी दुनिया या पिछड़े कहे जाने वाले देश के राजनीतिक माहौल के संदर्भ में होता, तो उसकी वजहें समझी जा सकती थीं। मगर हैरानी की बात है कि अमेरिका जैसे सभ्य और विकसित माने जाने वाले देश में भी मुख्य प्रत्याशियों के बीच एक-दूसरे के खिलाफ जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुकूल नहीं है। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की ओर से न्यूयार्क की एक रैली में उनकी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस के बारे में कुछ निजी और आपतिजनक टिप्पणियां की गई। वहीं कमला हैरिस ने भी मुद्दों के बजाय ट्रंप को खतरनाक और राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य बताया। दोनों ही प्रत्याशी खुद को अमेरिका के लोकतंत्र का ज्यादा सक्षम और योग्य पहरुआ बता रहे हैं। सवाल है कि अमेरिका जैसे देश में इतने वर्षों के लोकतंत्र के बावजूद अब तक किस परंपरा का विकास हुआ है कि आज भी एक प्रत्याशी को दूसरे पर हावी होने के लिए जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर बात करने के बजाय निजी हमलों और सनसनी फैलाने वाले आरोपों का सहारा लेना पड़ रहा है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि शीर्ष पदों पर बैठे, देश का नेतृत्व करते या उसके लिए दावेदारी करने वाले लोग जब जनता से संवाद करते हैं, तो उसमें मुद्दों पर बातें करने के लिए इस्तेमाल होने वाली भाषा का लोगों पर कैसा असर पड़ता है। लोगों के सोचने-समझने का स्तर भी कई बार मुख्यधारा के राजनीतिक माहौल से संचालित और निर्धारित होने लगता है। जबकि अगर अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दोनों मुख्य उम्मीदवार एक-दूसरे को कमतर ठहराने के लिए निम्नस्तरीय भाषा का इस्तेमाल करने के बजाय आम लोगों के हित से जुड़े मसलों के हल का खाका पेश करते, तो न केवल लोगों में एक परिपक्व समझ का विकास होता, बल्कि देश का लोकतंत्र भी मजबूत होता ।

108 नंबर की दुकान पर भगवान एंड कंपनी ने किया इंसानों से धोखा, नकली घी का जखीरा पकड़ा, यहां से घी खरीदा हो तो सावधान!!!!

24 न्यूज अपडेट

अगर आपने उदयपुर में कृषि मंडी में 108 नंबर से घी खरीदा है तो उसे तुरंत घर से बाहर रख दीजिए और पुलिस को सूचित कीजिए क्योंकि यह घी मिलावटी है। इसको खाने से आपका लीवर खराब हो सकता है। आपकी जान के लाले पड़ सकते हैं। दीपावली के पर्व पर जहां हर तरफ खुशियों का माहौल है वहां पर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो लोगों की जान के साथ सरेआम खिलवाड़ कर रहे हैं। इन लोगों को सिर्फ पैसा बनाने से मतलब है आपको स्वास्थ्य से कोई लेना देना नही है। ना ही कानून का कोई डर है। आज उदयपुर की जिला स्पेशल टीम ने यहां कृषि उपज मंडी में कार्रवाई करते हुए नकली घी की फैक्ट्री पकड़ी जिसमें बड़ी मात्रा में मिल्क फूड और नोवा का नकली धी बनाया जा रहा था। मौके पर धड़ल्ले से काम चालू था और डालडा में केमिकल मिला कर घी बनाया जा रहा था। डीएसटी टीम की सूचना पर खाद्य विभाग के फूड इंस्पेक्टर भी मौके पर पहुंचे व जांच की तो पाया कि मौके पर 1 किलो से लेकर 15 किलो तक के डिब्बे पैके किए जा रहे थे। मौके पर घी की पेकिंग की सामग्री भी मिली। अभी मात्रा तो नहीं बताई गई है मगर अनुमान है कि हजारों लीटर घी मौके पर मिला है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने दोनों कंपनियों से संपर्क करने के बाद बताया कि यह घी व बैच नंबर उनकी कंपनी के नहीं हैं। अब सेम्पल की जांच की जा रही है। इस प्रतिष्ठान का नाम भाई भगवान एन्ड कम्पनी मेसर्स ख्याली लाल पन्ना लाल है। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि त्योहार के दिनों में इस प्रतिष्ठान से ना जाने कितना माल कहां-कहां पर सप्लाई हुआ होगा। ना जाने कितने घी से मिठाइयां अब तक बन चुकी होगी या बनने वाली होगी। पुलिस को तत्काल मामले की तह तक जाते हुए स्टॉक जब्त करते हुए जहां माल सप्लाई हुआ, वहां पर भी चेतावनी की सूचना तत्काल पहुंचानी चाहिए। अगर आपने भी यहां से घी खरीदा है तो खबर देखकर तुरंत पुलिस से संपर्क करें व सेम्पल की जांच अवश्य करवाएं।

स्कूटी को रोक कर फायरिंग करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

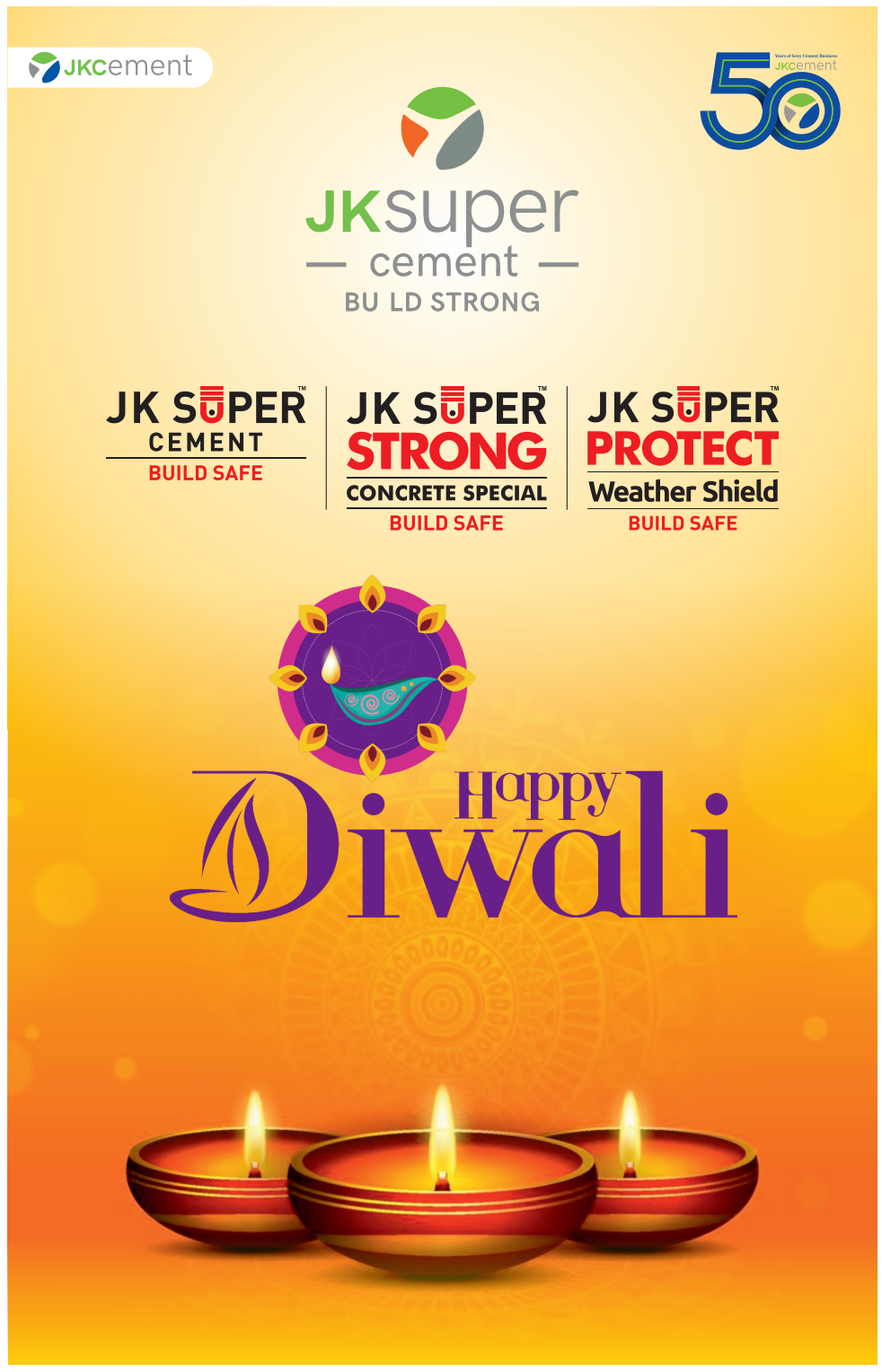
24 न्यूज अपडेट. राजसमंद। स्कूटी को रोक कर स्कूटी को रोक कर फायरिंग के मामले में राजसमंद की कांकरोली पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। कांकरोली पुलिस थाना इंचार्ज हनवंत सिंह सोढा ने बताया कि 31 जनवरी को जाकिर हुसैन (28) पुत्र रुस्तम खान निवासी जल चक्की, आजाद नगर पर दो युवकों ने अचानक फायरिंग कर दी। जाकिर हुसैन ने इलाज के दौरान पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि कब्रिस्तान के पास चांद खां पुत्र हबीब मोहम्मद व दिलशाद पुत्र कादर ने बाइक से पीछा किया। दूसरी ओर मोहिद हुसैन व मुकेश उर्फ फुगा आए। उनकी स्कूटी के आगे चांद खान व दिलशाद ने बाइक लगा दी। चांद खान ने पिस्टल निकाल फायर कर दिया व इससे फायर दाहिने हाथ की कोहनी के नीचे लग गया। जब वो जान बचाकर भागा तो चांद खान से पिस्टल लेकर फिर से दूसरी गोली चलाई जो पेट में लगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जिसमें पुलिस ने दो आरोपियों दिलशाद शेख व चांद मोहम्मद को गिरफ्तार कर हथियार बरामद किया जबकि मामले के दो अन्य आरोपी हाशिम तथा मुकेश उर्फ फुग्गा को पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

3 बाइक पर आए 9 बदमाशों ने 3 युवकों से 37 हजार रुपए लूटे



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। जो लोग त्योहार मनाने पेसा व जेवर आदि लेकर घर जा रहे हैं वे सावधान हो जाएं। अनजान लोगों पर कभी भरोसा नहीं करें। पुलिस जांच व रास्ते में रोक कर लूटने की बहुत सारी घटनाएं हो रही हैं। डूंगरपुर में कोतवाली थाना क्षेत्र में बलवाड़ा रेलवे फाटक के पास 3 युवकों से लूट की वारदात हुई। तीनों बदमाश तीनों से 37 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। कुल 9 बदमाश तीन बाइकों पर आए थे। तीनों ने हमला बोल दिया जिसमें पीडितों को चोटें भी आई हैं। कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार दिनेश (40) पुत्र लक्ष्मण रोत निवासी डोल कुंजेला ने रिपोर्ट दी कि सुभाष पुत्र कालूराम, अरविंद पुत्र कालूराम तीनों बाइक लेकर दीपावली त्योहार मनाने घर आ रहे थे। हिम्मतनगर गुजरात से रवाना होकर आधी रात बलवाड़ा रेलवे फाटक के पास पहुंचे। फाटक क्रॉस कर आगे गए ही थे कि अचानक 3 बाइक आकर रूकी , कुल 9 बदमाशों ने अपनी बाइकें आगे खड़ी कर दी। उनको धक्का देकर गिरा दिया। उसके बाद लट्ठ व लातों घूसों से मारपीट कर दी। किसी के सिर पर लट्ठ मारा, वह लहूलुहान हो गया। बदमाशों ने दिनेश से 15 हजार, सुभाष से 17 हजार, अरविंद से 5 हजार रुपए निकाल लिए। थोडी देर बाद जब इको गाड़ी में पीछे से उनके साथी आए तो बदमाश हडबडी में उनकी बाइक छोड़ पीडितों की दूसरी बाइक लेकर भाग गए; पुलिस ने लुटेरों की बाइक जब्त कर ली है।





धनतेरस पर हुई धन की बारिश ! देशभर में बिका 20,000 करोड़ से ज्यादा का सोना, चांदी भी चमकी



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः धनतेरस के मौके पर देशभर में करीब 60,000 करोड़ रुपये का खुदरा व्यापार हुआ है. व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने बताया है. चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल जो CAIT के महासचिव भी हैं. उन्होने बताया कि धनतेरस के मौके पर देशभर में करीब 20,000 करोड़ रुपये का सोना और 2,500 करोड़ रुपये की चांदी बिकी है.

CAIT के अखिल भारतीय ज्वैलर्स एवं स्वर्णकार महासंघ (AIJGF) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बयान में कहा कि सोने और चांदी की मांग बहुत अधिक है. हालांकि उन्होंने कहा कि बढ़ती कीमतों के कारण वजन के हिसाब से कम वस्तुएं बिकीं, लेकिन मौद्रिक रूप से बिक्री बढ़ी ।

सोने और चांदी की भारी मांग

इस साल देशभर में करीब 25 टन सोना बिका, जिसकी कीमत करीब 20,000 करोड़ रुपये आंकी गई, जबकि करीब 250 टन चांदी की बिक्री हुई, जिसकी कीमत करीब 2,500 करोड़ रुपये आंकी गई. इसके अलावा, पुराने चांदी के सिक्कों की मांग में भी उछाल आया, जिनकी कीमत 1,200 से 1,300 रुपये प्रति सिक्के के बीच रही ।

दिल्ली में, चांदनी चौक, दरीबा कलां, सदर बाजार, कमला नगर, अशोक विहार, मॉडल टाउन, पीतमपुरा, पश्चिम विहार, रोहिणी, राजौरी गार्डन, द्वारका, जनकपुरी, साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश, ग्रीन पार्क, लाजपत नगर, कालकाजी, प्रीत विहार, शाहदरा और लक्ष्मी नगर सहित लोकप्रिय खुदरा बाजारों में धनतेरस की बिक्री में उछाल आया । धनतेरस 2024 दिवाली के पांच दिवसीय उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है. धनत्रयोदशी के रूप में भी जाना जाने वाला यह त्यौहार भारत के कई हिस्सों में मंगलवार, 29 अक्टूबर को मनाया गया. भक्त इस दिन भगवान कुबेर, देवी लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की पूजा करते हैं और धन और स्वास्थ्य के लिए आशीर्वाद मांगते हैं ।

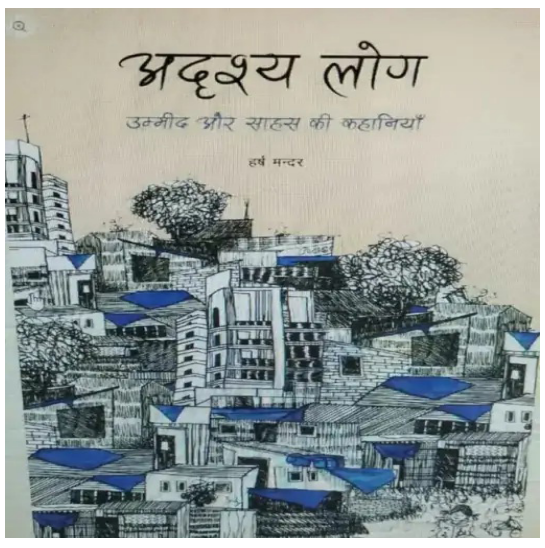
निदेशक एवं सयुंक्त शासन सचिव सिंघवी ने किया ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालय बड़गाव का निरीक्षण



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। विनेश सिंघवी निदेशक एवं सयुंक्त शासन सचिव (रजिस्ट्रार जन्म, मृत्यु एवं विवाह राजस्थान जयपुर) की ओर से ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालय बड़गाव उदयपुर का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गयी। जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण, जन आधार, संस्था आधार, इ ग्राम प्रगति, स्थानीय निकाय लेखे, कृषि सांख्यिकी (फसल कटाई प्रयोग) विभागीय सांख्यिकी प्रकाशन की स्थति, जन मृत्यु ट्रेनिंग की स्थिति, जन आधार हेल्प डेस्क की स्थति और विभागीय योजनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। ब्लॉक बडगांव की प्रगति शत प्रतिशत होने पर धन्यवाद दिया। महावीर प्रसाद सयुक्त निदेशक उदयपुर और ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी दिनेश श्रीमाली उपस्थित रहे।

राजस्थान की किताबों से हट गया गोधरा कांड वाला चैप्टर, 4 किताबें वापस मंगवाई, शिक्षा मंत्री ने कहा- कांग्रेस ने किया हत्यारों का महिमा-मंडन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। राजस्थान सरकार ने गोधरा कांड का जिक्र करने वाली किताबों को वापस मंगवा लिया है। अब बच्चे इनको नहीं पढ़ पाएंगे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इसके साथ ही यह भी कहा है कि पूर्व कांग्रेसी सरकार के वक्त स्कूली बच्चों की किताबों में हत्यारों का महिमा-मंडन किया गय। इस तरह की विवादित किताबों को फिर से मंगाया जाएगा ताकि बच्चे गलत शिक्षा हासिल ना करें। ये सारी किताबें राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में वितरित कर दी है। अब चार किताबों को वापस मंगवाने के आदेश जारी किए हैं। बताया जा रहा है कि 'अदृश्य लोग- उम्मीद और साहस की कहानी' में '9 लंबे साल' नामक अध्याय में गोधरा कांड में ट्रेन में लगी आग को आतंकी साजिश बताया गया है। अब डबल इंजन की सरकार इस अंकित कर दिए गए तथ्य को बच्चों की स्मृतियों में नहीं जाने देना चाहती है। एक आदेश जारी किया गया है जिसमें राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने जिला शिक्षा अधिकारियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक पढ़ाई जा रही 'जीवन की बहार', 'चिट्टी एक कुत्ता और उसका जंगल फॉर्म' और कक्षा 11वीं, 12वीं में पढ़ाई जा रही 'अदृश्य लोग-उम्मीद और साहस की कहानी' और 'जीवन की बहार' की सभी कॉपियों को वापस भेजने को कहा है। इसके पीछे तकनीकी कारण बताया गया है। वास्तव में यह पॉलिटिकल तकनीक है जिसके माध्यम से वैचारिक मोर्चा खोला जाना है। अब मीडिया के समक्ष शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि जिन पुस्तकों को वापस मंगवाया गया है। उसका चयन गोविंद सिंह डोटासरा ने किया था। मगर वे यह नहीं बता सके कि डोटासरा ने किस अधिकार से चयन किया था। मंत्रीजीने कहा कि - जब इन किताबों को पढ़ा गया तो पता चला कि गोधरा में जो हुआ था, उसकी नकारात्मक जानकारी दी गई। किताबों में अपराधी को अच्छा बताया गया है। किताबों में गोधरा कांड के हत्यारों के महिमा मंडन का प्रयास किया गया है, जो सही नहीं है। जिस किताब में जिक्र पर आपत्ति है वह छत्तीसगढ़ कैडर के पूर्व आईएएस हर्ष मंदर की लिखी है। गुजरात दंगों के बाद उन्होंने आईएएस की नौकरी छोड़कर एनजीओ में काम करना शुरू किया था। पिछले साल गृह मंत्रालय ने उनके खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। विदेशों से चंदा लेने के मामले में कानून का उल्लंघन करने का आरोप था।

जैसलमेर में हटड़ी पूजन बिना अधूरा है दीपोत्सव, आज भी होता है परम्परा का निर्वहन



24 न्यूज अपडेट

जैसलमेरः जैसलमेर में दीपावली पूजन के साथ ही हटड़ी पूजन का भी विशेष महत्व है. इस पूजन के बिना दिवाली पर्व अधूरा माना जाता है. पहले हटड़ी घोड़े की लीद से बनी होती थी. अब बदलते समय के साथ-साथ स्टील व अन्य धातु से बनी हटड़ी का प्रचलन बढ़ा है. हालांकि, जैसलमेर के गांधी कॉलोनी क्षेत्र में रहने वाले मांगणियार परिवार आज भी पारंपरिक तरीके से बनाई गई हटड़ी को ही शुभ मानते हैं. जैसलमेर में एकमात्र हटड़ी बनाने वाले फकीरचंद मिरासी बताते हैं कि मांगणियार परिवार के लोग हटड़ी का निर्माण कर दीपावली, विवाह उत्सव, पुत्र जन्मोत्सव और अन्य शुभ कार्य में इसे भेंट करते हैं. इसके बदले में संबंधित लोग उन्हें अच्छा नारियल, ओढ़नी व श्रद्धानुसार भेंट देते हैं.

बाजार में मिलती है हटड़ियांः अब धातु से बनी हटड़ियां बाजार में आसानी से उपलब्ध है. इसके बावजूद कई लोग मिट्टी व बांस की लड़कियों से निर्मित हटड़ी को ही शुभ मानते हैं. उनका कहना है कि परंपरागत रूप से बनी हटड़ी व उसके पूजन का महत्व अलग ही है.

दिवाली के दिन पूजन का है विशेष महत्वः फकीरचंद मिरासी बताते हैं कि यह उनका खानदानी पेशा है. उन्होंने बताया कि यह परंपरा केवल जैसलमेर में है. हटड़ी को एक प्रकार से लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है. उन्होंने बताया कि हटड़ी के निर्माण में मिट्टी लाने से लेकर हटड़ी को बनाने और किसी को देने तक का काम शुभ मुहूर्त देखकर ही किया जाता है. फकीरचंद ने बताया कि हटड़ी घोड़े की लीद और एक विशेष स्थान से लाई गई मिट्टी से बनाई जाती है. इसके बाद इस पर विभिन्न प्रकार की आकृतियां बनाकर आकर्षक बनाया जाता है.

ऐसे बनाई जाती है हटड़ीः मिरासी ने बताया कि सबसे पहले लाल मिट्टी व घोड़े की लीद को मिलाकर मिश्रण तैयार किया जाता है. बाद में बांस की लकड़ियों को मिलाकर एक ढांचा तैयार किया जाता है. इस ढांचे को मिश्रण से पुनः भर दिया जाता है. जब यह सूख जाता है तो उस पर रंगीन चित्रकारी या अन्य सजावट की जाती है. दीपावली पर विशेष पूजन करने के लिए हटड़ी के बीच में दीपक के लिए विशिष्ट स्थान भी बनाया जाता है. दस दिन पहले ही हटड़ी बनाने में काम में आने वाली सभी जरुरी सामग्री की व्यवस्था कर ली जाती है.

यह है पौराणिक कथाः बताया जाता है कि भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी जब अयोध्या से लौटे थे तो लोगों ने उनके स्वागत के लिए घरों में घी के दीपक जलाए थे. इसी के साथ कई लोगों ने उस दिन मिट्टी का घरौंदा, यानी घर भी बनाया था. साथ ही उसे कई तरह से सजाया भी था. इसे प्रतीकात्मक तौर पर नगर के बसने के तौर पर देखा जाता है, तभी से यह प्रचलन चला आ रहा है. मान्यता है कि इस घरौंदे की पूजा करने वाले का शीघ्र ही खुद का घर बन जाता है.

दिवाली की रात है बहुत खास, जानिए मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए क्या करें और क्या नहीं



24 न्यूज अपडेट

दिवाली की रात का आध्यात्मिक रूप से बहुत ही ज्यादा महत्व होता है। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने का ये बहुत ही खास दिन होता है। तो चलिए जानते हैं कि इस रात क्या करें और क्या ना करें। सुख और समृद्धि का त्यौहार दिवाली, अपने साथ ढेर सारी खुशियों का पिटारा ले कर आता है। जहां शाम होते ही घर-घर में मां लक्ष्मी की आराधना होने लगती है, वहीं दिवाली की रात का भी अपना विशेष महत्व होता है। कहते हैं दिवाली की रात मां लक्ष्मी स्वयं अपने भक्तों के घर पधारती हैं और उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दे कर निहाल करती हैं। इसलिए दिवाली की रात का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है। ऐसे में अगर आप भी दिवाली पर मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं तो दीवाली की रात से अच्छा मौका कोई और हो ही नहीं सकता। आज हम आपको कुछ खास बातें बताने वाले हैं जिन्हें आपको दिवाली की रात जरूर करना चाहिए, साथ ही उन बातों को जानेंगे जिन्हें करने से सख्त परहेज करना चाहिए। दिवाली की रात होती है सोने की मनाही धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दिवाली की रात मां लक्ष्मी का आगमन होता है। ऐसे में दिवाली की रात जाग कर ही बितानी चाहिए। कहते हैं कि दिवाली की रात एक ऐसा समय होता है जब माता लक्ष्मी को बड़ी ही आसानी से प्रसन्न किया जा सकता है। इस दौरान जो भी कोई जागकर मां लक्ष्मी की आराधना करता है, उसे मां लक्ष्मी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं चैन से सोने वाले लोग मां लक्ष्मी की कृपा से वंचित रह जाते हैं।

ऐसी हो दीवाली की रात

जब दिवाली की पूरी रात जागकर ही बितानी है, तो सवाल उठता है कि इस दौरान क्या किया जाए। ऐसे में मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए आप अपने परिवार के साथ मिलकर भजन-कीर्तन का आयोजन कर सकते हैं। इससे आप सभी का मन भी लगा रहेगा और माता लक्ष्मी भी बेहद प्रसन्न होंगी। इसके अलावा आप लक्ष्मी मां के नाम या मंत्र का जाप, चालीसा पाठ आदि भी कर सकते हैं। ध्यान रखें कि दिवाली की रात पूजा का दीया ना बुझे। इसके साथ ही माता लक्ष्मी को उनकी मनपसंद चीजों जैसे खील-बताशे, मिठाइयां, खीर आदि का भोग भी समय-समय पर लगाते रहें।

भूलकर भी ना करें ये गलतियां

दिवाली की रात मां लक्ष्मी की विशेष कृपा पाने की रात होती है। इसका आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा होता है इसलिए इस दिन तामसिक चीजों में लिप्त होने से बचें। दिवाली पार्टी के नाम पर दारू या किसी भी नशे का सेवन, जुए जैसे खेल, नॉन वेज का सेवन या अश्लील गानों पर नाचने से परहेज करें। इसके अलावा घर की कोई भी चीज किसी बाहरी इंसान को देने से बचें। दिवाली एक धार्मिक पर्व है इसलिए इस दिन को अपनी आध्यात्मिक प्रगति के लिए इस्तेमाल करें। प्रकाशोत्सव का आनंद लें और अपनों के करीब आएं।



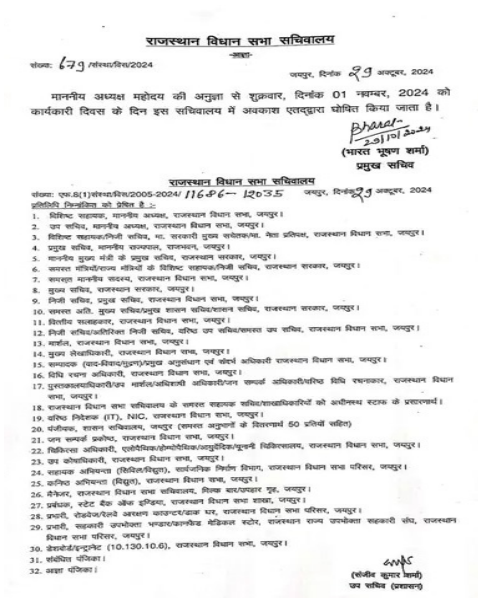
रोशनी में नहाया भीलवाड़ा शहर:लाइटिंग में नजर आया देश प्रेम, शहर के प्रमुख बाजारों में लाइटिंग बनी आकर्षण का केंद्र



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा शहर में पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व की शुरुआत हो चुकी है। इसके साथ ही भीलवाड़ा शहर के बाजार भी अब खूबसूरत रोशनी से सज गए हैं। यह आकर्षक लाइटिंग धनतेरस से लेकर रूप चौदस सहित दीवाली तक रहेगी। दीवाली पर्व के स्वागत के लिए भीलवाड़ा शहरवासी पूरी तरह से तैयार हैं। शहर को दुल्हन की तरह सजा दिया गया है। भीलवाड़ा शहर के प्रमुख बाजार नेताजी सुभाष मार्केट, गोल प्याऊ चौराहा, बालाजी मार्केट, मशीनरी मार्केट, सूचना केंद्र चौराहा सहित छोटे-बड़े मार्केट रोशनी से सजे हुए हैं। इसके साथ ही कई प्राइवेट और गवर्मेंट बिल्डिंग पर भी आकर्षक रोशनी की गई है। धनतेरस पर्व से रोशनी पर्व की शुरुआत मानी जाती है। बाजार में कई स्थानों पर लाइटिंग और डेकोरेशन में देश प्रेम की झलक भी नजर आ रही है। नेताजी सुभाष मार्केट में तिरंगे के रंगों में टेंट और लाइटिंग की गई है। दीपावली पर शहर में और ज्यादा आकर्षक लाइटिंग और साज-सज्जा की जाएगी।

सरकारी सिस्टम में नहीं टूटनी चाहिए अवकाश की दीपमालिका, राजस्थान सरकार ने 1 नवंबर को छुट्टी घोषित की



राजस्थान विधान सभा सचिवालय
-आज्ञा-
संख्या: 679/संस्था/विरा/2024 जयपुर, दिनांक 29 अक्टूबर, 2024

माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुज्ञा से शुक्रवार, दिनांक 01 नवम्बर, 2024 को कार्यकारी दिवस के दिन इस सचिवालय में अवकाश एतद्द्वारा घोषित किया जाता है।

Bharat 29/10/2024
(भारत भूषण शर्मा)
प्रमुख सचिव

राजस्थान विधान सभा सचिवालय
संख्या: एफ.8(1)संस्था/विरा/2005-2024/ 11696-- 12035 जयपुर, दिनांक 29 अक्टूबर, 2024

प्रतिलिपि निम्नलिखित को प्रेषित है :-
1. विशिष्ट सहायक, माननीय अध्यक्ष, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
2. उप सचिव, माननीय अध्यक्ष, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
3. विशिष्ट सहायक/निजी सचिव, मा. सरकारी मुख्य सचेतक/मा. नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
4. प्रमुख सचिव, माननीय राज्यपाल, राजभवन, जयपुर।
5. माननीय मुख्य मंत्री के प्रमुख सचिव, राजस्थान सरकार, जयपुर।
6. समस्त माँनीय/राज्य मंत्रियों के विशिष्ट सहायक/निजी सचिव, राजस्थान सरकार, जयपुर।
7. समस्त माननीय सदस्य, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
8. मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, जयपुर।
9. निजी सचिव, प्रमुख सचिव, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
10. समस्त अति. मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव, राजस्थान सरकार, जयपुर।
11. वित्तीय सलाहकार, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
12. निजी सचिव/अतिरिक्त निजी सचिव, वरिष्ठ उप सचिव/समस्त उप सचिव, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
13. मार्शल, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
14. मुख्य लेखाधिकारी, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
15. सम्पादक (पाक्ष-मेवाड़/गुजरा/प्रमुख अनुवीक्षण एवं खोज अधिकारी राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
16. विधि रचनाकार अधिकारी, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
17. पुस्तकालयाधिकारी/उप मार्शल/अधिकारी अधिकारी/उप सम्पादक अधिकारी/वरिष्ठ विधि रचनाकार, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
18. राजस्थान विधान सभा सचिवालय के समस्त सहायक सचिव/शाखाधिकारियों को अपीलस्य स्टाफ के प्रशस्तनार्थ।
19. वरिष्ठ विश्लेषक (IT), NIC, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
20. पंजीयक, शासन सचिवालय, जयपुर (समस्त अनुभागों के विस्तारार्थ 50 प्रतियों सहित)
21. पत्र सम्पादक प्रकोष्ठ, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
22. सिक्किरता अधिकारी, एलोपैथिक/होम्योपैथिक/आयुर्वेदिक/यूनानी चिकित्सालय, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
23. उप कोषाधिकारी, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
24. सहायक अभियन्ता (सिविल/बिद्युत), पार्श्वनाथिक निर्माण विभाग, राजस्थान विधान सभा परिसर, जयपुर।
25. सानिध अभियन्ता (बिद्युत), राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
26. कैफेटर, राजस्थान विधान सभा सचिवालय, सिलक बार/पाषाद गृह, जयपुर।
27. प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, राजस्थान विधान सभा शाखा, जयपुर।
28. प्रभारी, रोडवेज/रेलवे आरक्षण काउण्टर/डाक घर, राजस्थान विधान सभा परिसर, जयपुर।
29. प्रभारी, सहकारी उपभोक्ता भण्डार/कार्मिक मेडिकल स्टोर, राजस्थान राज्य उपभोक्ता सहकारी संघ, राजस्थान विधान सभा परिसर, जयपुर।
30. डेस्कटॉप/लैपटॉप (10.130.10.6), राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
31. संधीपत्र पंजिका।
32. अक्षत पंजिका।

(योगेंद्र कुमार शर्मा)
उप सचिव (प्रशासन)

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। सरकारी सिस्टम में काम भले ही हो ना हो, अवकाश की गंगा अविरल बहनी चाहिए। अब दो दिनों 31 अक्टूबर व 1 नवंबर को दीपावली होने की उलझन के बीच कर्मचारियों की भारी मांग पर राजस्थान सरकार ने 1 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया है। 1 नवंबर की छुट्टी नहीं होने से सबसे ज्यादा परेशान वे सरकारी कार्मिक थे जो दूर-दराज के गांव और शहरों में रहते हैं। कर्मचारियों की मांग पर राज्य सरकार की ओर से आज इसकी घोषणा के आदेश निकाले गए। कर्मचारी संगठन लगातार 1 नवंबर को छुट्टी घोषित करने की मांग कर रहे थे। इसे लेकर कर्मचारी संगठनों ने 24 अक्टूबर को मुख्य सचिव सुधांश पंत को ज्ञापन भी सौंपा था। 31 को दीपावली है, 2 अक्टूबर को गोवर्धन औऱ 3 को भैया दूज के चलते सार्वजनिक अवकाश है। इनके बीच में 1 नवंबर को वर्किंग डे था। ऐसे में कर्मचारियों की मांग थी कि 1 नवंबर को भी अवकाश घोषित किया जाए। सरकार ने उनकी मांग मानते हुए छुट्टी के आदेश जारी कर दिए। आपको बता दें कि प्रदेश में विधानसभा सचिवालय ने मंगलवार को ही 1 नवंबर की छुट्टी की घोषणा कर दी थी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिए थे। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अवकाश की घोषणा होने के बाद कर्मचारियों को उम्मीद थी कि राज्य सरकार भी 1 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर सकती है। इस साल पूरे देश में दीपावली मनाने को लेकर विरोधाभास है। कई राज्यों में 31 अक्टूबर को तो कई जगह 1 नवंबर को दीपावली मनाई जा रही है। राजस्थान में अधिकतर जगह 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई जा रही है। गोवर्धन पूजा 2 नवंबर को होगी। जिन राज्यों में दीपावली का 1 नवंबर का अवकाश घोषित है, वहां इस तरह की समस्या नहीं है। जिन राज्यों में 31 अक्टूबर को दीपावली मनाई जा रही है, वहां इस तरह की समस्या हो रही है।

दुल्हन नहीं मिली तो मांगी मनोकामना, 62 युवकों ने की 110 किलोमीटर की पदयात्रा



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. नेशनल ब्यूरो। कर्नाटक के चामराजनगर जिले में धार्मिक स्थल माले महादेश्वर पहाड़ी पर दीपावली का जश्न मनाने बड़ी संख्या में युवा आए हुए हैं। कोल्लेगला तालुका के एक गांव के युवाओं ने दुल्हन पाने की कामना में महादेश्वर पहाड़ी की पदयात्रा की है तो आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। ये युवा यहां पर 110 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हुए आए हैं। इनका कहना है कि होसामलंगी गांव में 62 युवकों की शादी अब तक नहीं हुई है। वे व परिजन रिश्ता ढूंढ-ढूंढकर थक चुके हैं, लेकिन शादी नहीं हो रही है। इस पर उन्होंने सब भगवान भरोसे छोड़ दिया है। भगवान मडप्पा से कहा है कि अब मनोकामना पूरा करने की कृपा करें व इसी मनोकामन के साथ पदयात्रा की। युवकोंने कहा कि जिन युवकों को शादी के लिए दुल्हन नहीं मिलती, वे हर साल समूह में माले महादेश्वर पहाड़ी की पदल यात्रा करते हैं और यह आम बात है। मनोकामना पूरी होने पर वे दुल्हन के साथ दर्शन को आते हैं। आपको बता दें कि महादेश्वर पहाड़ी पर दीपावली मेला 29 अक्टूबर से शुरू हो गया है और मंदिर को लाइट्स से सजाया गया है. इस अवसर पर भगवान का विशेष पूजन और अभिषेक पारंपरिक रूप से किया जाता है.

जीप की टक्कर से 2 बच्चों समेत 4 लोग घायल:केबिन से टकराकर रुकी बेकाबू जीप, मौके से फरार हुआ ड्राइवर



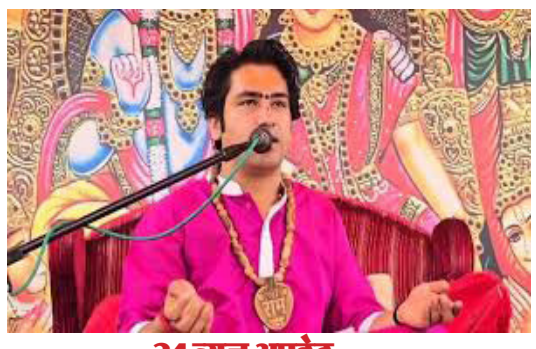
24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. डूंगरपुर के रामसागड़ा थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार जीप ने एक महिला, उसके 2 बच्चों समेत 4 लोगों को टक्कर मार दी। इसके बाद जीप कुछ आगे एक केबिन से टकराकर रुक गई। ड्राइवर मौके से भाग गया। घायलों को डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

रामसागड़ा थाना क्षेत्र में रामपुर मेवाड़ा रोड पर एक्सीडेंट की घटना हुई। रामपुर मेवाड़ा निवासी इंदिरा पत्नी पंकज वरहात, उसके बेटी अंजना पुत्री पंकज वरहात, बेटा अकिल पुत्र पंकज वरहात, विनोद पुत्र हाजा वरहात चारो सड़क के किनारे खड़े थे। उसी समय एक तेज रफ्तार जीप आई। जीप ने सड़क किनारे खड़े चारों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद जीप बेकाबू होकर कुछ दूर एक केबिन से जाकर टकराकर रुक गई। ड्राइवर मौके से भाग गया।

एक्सीडेंट में चारों को गंभीर चोटें आई। घटना के बाद मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। घायलों को 108 एम्बुलेंस के हरिराम ननोमा और सत्यनारायण लबाना डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। घायलों को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। वहीं, पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेन्द्र शास्त्री भीलवाड़ा में 6 नवम्बर से करेंगे हनुमंत कथा, दिव्य दरबार भी लगेगा



24 न्यूज अपडेट

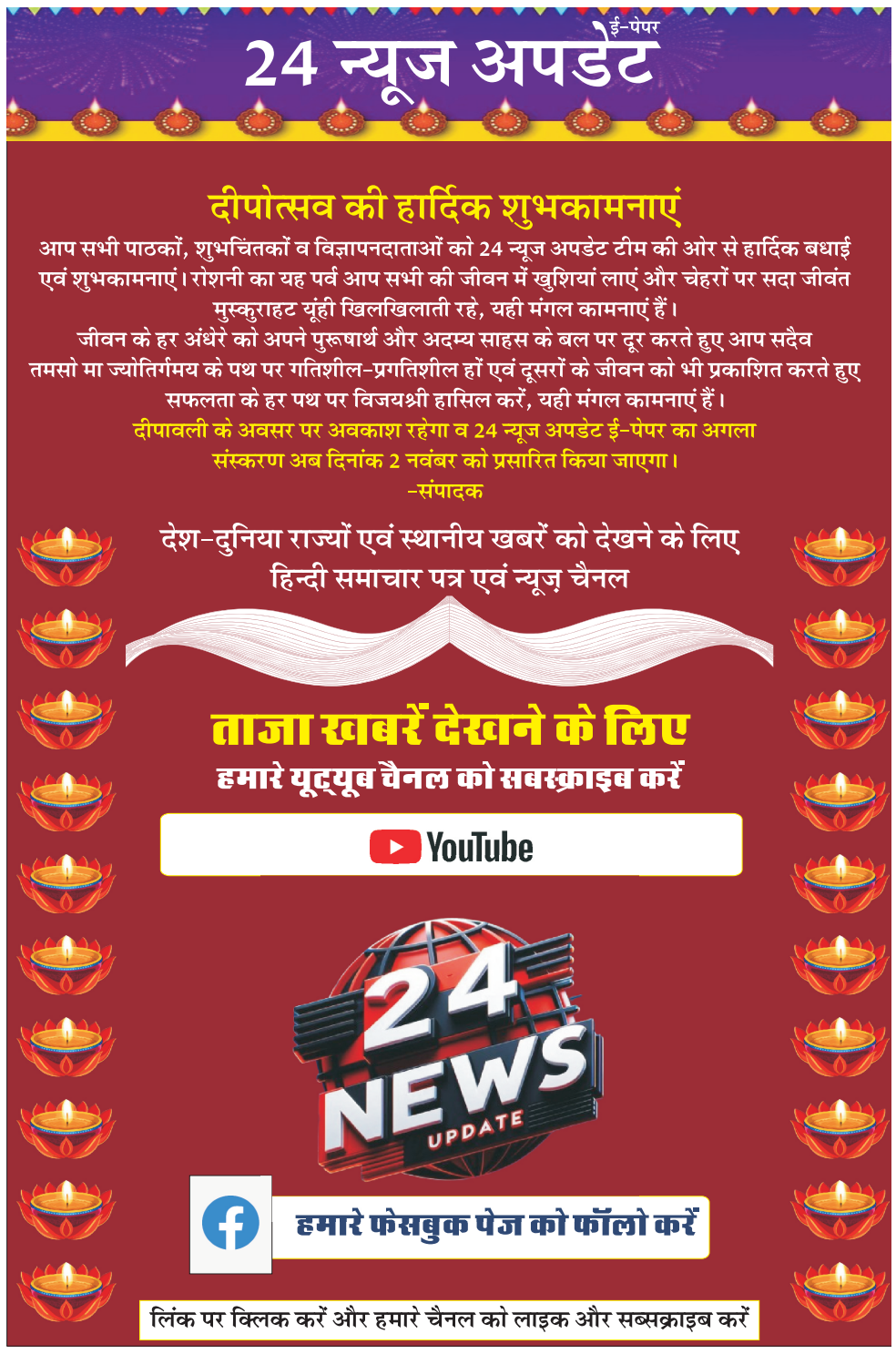
24 न्यूज अपडेट, भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में 6 नवम्बर से बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पांच दिवसीय हनुमंत कथा वाचन करेंगे. वे यहां दिव्य दरबार भी लगाएंगे। तैयारियां अंतिम दौर में हैं। बागेश्वर पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शहर के चित्तौड़गढ़ रोड स्थित कुमुद विहार में 6 नवंबर से हनुमंत कथा करने जा रहे हैं। कथा पांच दिन तक चलेगी। कथा स्थल पर भूमि पूजन के साथ ही ध्वज की स्थापना की गई है। यहां भक्तों के बैठने के लिए पांडाल की तैयारी की जा रही है। हर दिन चार से पांच लाख लोगों के आने की उम्मीद है।पार्किंग के लिए खास इंतजाम हुए हैं। हनुमंत कथा समिति के अध्यक्ष मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने बताया कि आचार्य धीरेंद्र कृष्ण दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक कथा का वाचन करेंगे. कथा के दौरान 8 नवंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक दिव्य दरबार लगाया जाएगा। कुमद विहार में व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है. यहां लाखों लोगों के बैठने के लिए पांडाल सहित तमाम व्यवस्थाएं की जा रही है। देशभर के राजनेताओं, संत महात्माओं, उद्यमियों व आमजन को निमंत्रण दिया जा रहा है। खंडेलवाल ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का आना प्रस्तावित है। महंत बनवारी शरण ने कहा कि भीलवाड़ा के उद्योगपतियों का भी पूरा सहयोग है। देश के प्रमुख संत आएंगे जिनमें ओम आश्रम के महाराजजी, वृंदावन से महाराज आएंगे। इससे पहले जया किशोरी की कथा हुई थी। उसके बाद देवकीनंदन महाराज की कथा हुई। यह महाकुंभ है।

उदयपुर साइक्लिंग क्लब के राइडर्स ने जगमगाती साइकिल्स से दीपावली राइड कर बिखेरी रोशनी



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। उदयपुर साइकिलिंग क्लब ने उदयपुर शहर में दिपावली नए सिरे से मनाने की शुरूआत की। 20 साइकिलिस्टों ने अपने साइकिल के पहियों , फ्रेम , हेल्मेट पे लाइट की लड़ियां लगा राइड की। सुबह 4.30 बजे अंधेरे में शुरू हुई राइड राजीव गांधी पार्क से शुरू हो चेतक सर्कल रानी रोड हो फतेहपुरा पर पूर्ण हुई। राइड में बच्चे भी शामिल हुए और सभी ने दिवाली के पर्व को धूम धाम से मनाया और प्यार का संदेश दिया। जो भी पहली बार रोशनी से भरी साइकिल्स को देखता रुक कर कैमरे में कैद करना चाहता और साथ में सेल्फी लेता। उदयपुर साइकिलिंग क्लब ने कुछ इस नए तरह से दिवाली के त्यौहार को उदयपुर में अविस्मरणीय बनाया और अगली बार सबसे इस मुहिम का हिस्सा बनने के अपील की और सब को शुभ दिपावली की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर क्लब के नितेश टांक, मुकेश शर्मा, जयंत नानावटी ,छगन माली, गौरव वशिष्ठ, दिनेश शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, शान्तनु साहू, हरीश भाटिया, शरद आचार्य, गौरव राज गुर्जर, शरद जैन, भूपेश श्रीमाली, सहिष्णु, हृदय नानावटी, कविश माली विजेंद्र सिंह, अभिषेक पाटीदार, शूरवीर सिंह शामिल हुए।



24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।